वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

वन महोत्सव

दिनांक : 07.07.2022

वन उत्पादकता संस्थान, राँची एवं सी० एस० आर० हिंड़ाल्को इण्डस्ट्रीज लिमिटेड़, लोहरदगा के संयुक्त तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 07/07/2022 को चन्दवा के हड़गड़वा स्थित आवासीय विद्यालय में संस्थान के निदेशक डा० नितिन कुलकर्णी के नेतृत्व में संस्थान के सदस्यों, हिंडालको सी० एस० आर० के सदस्यों एवं विद्यालय परिवार द्वारा वन महोत्सव के अवसर पर संस्थान के समुह समन्वयक अनुसंधान डॉ० योगेश्वर मिश्रा की देख–रेख में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में चन्दवा पूर्वी पंचायत के मुखिया श्री रंजीत उराँव उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की भुरूआत विद्यालय के बच्चों द्वारा देशाभक्ति गीत, नागपुरी नृत्य एवं पर्यावरण गीत जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ किया गया। तत्पश्चात संस्थान की श्रीमति अंजना सुचिता तिर्की ने कार्यक्रम का परिचय एवं महत्व को बताते हुए के० एम० मुंशी तत्कालीन खाद्य एवं कृशि मंत्री का जिक्र किया जिन्होंने 1950 में वन महोत्सव कार्यक्रम की भुरूआत की थी। उन्होंने बताया की जीवन के लिए विकास के साथ–साथ पर्यावरण भी महत्वपूर्ण है जिससे जन्म से लेकर मृत्यु तक अनेकों आवश्यकताओं की पूर्ति होती है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हिण्ड़ाल्को इंड़स्ट्रीज के श्री नीरज कुमार में बताया कि पर्यावरण की सुरक्षा बिना जीवन जीना मुश्किल है। उन्होंने बताया कि धार्मिक महत्व के पेड़ जैसेः– बरगद, पीपल, आँवला, तुलसी सिर्फ छाया ही नहीं देते बल्कि औशधि और प्रचूर मात्रा में आक्सीजन भी देते हैं। गैर काश्ठ वनोत्पाद से काफी संख्या में लोग अपना जीविकोपार्जन करते है। आज वन उत्पादकता संस्थान के साथ वन महोत्सव पर वनरोपण कार्यक्रम का हिस्सा बन कर संस्थान के डॉ० नितिन कुलकर्णी के पहल की सराहना की। उन्होंने स्कूल प्रबंधन का भी आभार व्यक्त किया। श्री नीरज कुमार ने वन उत्पाकता संस्थान से आग्रह किया कि तकनीकी विस्तार एवं समाज सुधार में हम मिलकर काम करें।

डॉ० योगेश्वर मिश्रा ने बच्चों के कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि हिंड़ाल्को इण्ड़स्ट्रीज को अपने कार्यक्षेत्र में सामाजिक सुधार का दायित्व है तथा वन उत्पादकता संस्थान के साथ मिलकर पर्यावरण एवं वानिकी संवर्धन कर ग्रामीणों के आर्थिक विकास पर काम करना चाहिए। उन्होंने बच्चों, शिक्षकों, अभिभावकों से स्कूल परिसर के अलावा अपने घरों के आस पास पौधरोपण करने तथा अपने परिचितों को प्रेरित करने और बचाने का आह्वान किया।

मुखिया श्री रंजीत उराँव ने वन रोपण में भाग लेकर आवश्यक सहयोग का आशवासन दिया एवं वन उत्पादकता संस्थान एवं हिंड़ाल्को इण्ड़स्ट्रीज को धन्यवाद दिया।

संस्थान के निदेशाक डॉ० नितिन कुलकर्णी ने अपने संबोधन में बच्चों द्वारा प्रेरणादायक पर्यावरणीय गीत की सराहना की एवं बताया कि इस तरह के कार्यक्रम से लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता आती हैं। शिक्षकों का दायित्व बनता है कि बच्चों को पर्यावरण की भरपूर जानकारी दी जानी चाहिए ताकि हमारी भावी पीढ़ी पर्यावरणीय समस्याओं से सुरक्षित रह सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि वनों का वजूद जीवों का आधार है। वन का विनाश जीवों का वजूद मिटा देगा। स्वास्थ्य बजट की चर्चा करते हुए उन्हेंने बताया कि यदि हम पर्यावरण प्रदूशण को काबू में कर लें तो हमारा स्वास्थ्य बजट एक चौथाई रह जाएगी जो देश के विकास में काम आयेगा। कोरोना की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि कोरोना में अधिकांश मौतें ऑक्सीजन की कमी से हुई जो हमें पेड़ पौधे ही दे सकते है। अमेजन जंगल की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि विश्व को 20 प्रतिशत ऑक्सीजन देने वाला अमेजन जंगल विश्व का फेफड़ा कहलाता है। यद्यपि झारखंड़ में एक तिहाई जंगल है लेकिन इसे और अधिक समृद्ध करना है। उन्होंने प्रकृति कार्यक्रम की चर्चा की एवं कहा कि हिंड़ाल्को के सहयोग से हम नवोदय एवं केंद्रीय विद्यालय के अलावा अन्य आवासीय विद्यालयों में भी प्रकृति कार्यक्रम के तहत वानिकी एवं पर्यावरण संबंधी जागरूकता कार्यक्रम कर सकते है। स्कूल प्रबंधन से उन्होंने आग्रह किया कि हमारे संस्थान में प्रौद्योगिकी प्रदर्शन एवं व्याख्यान केंद्र के अल. ावा हाईटेक नर्सरी एवं अन्य दर्शनीय तथ्यों की स्थापना की है जिसका भ्रमण कर लाभ उठावें।

श्री भुखन सिंह प्रधानाध्यापक ने वन उत्पादकता संस्थान, राँची एवं हिंड़ाल्को परिवार के सम्मिलित प्रयास से किए गए आज के कार्यक्रम की सराहना की एवं बताया कि स्कूली किताबों के अलावा आस–पास के वनों की सुरक्षा के लिए भी विद्यालयों के शिक्षक प्रयासरत रहते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि संस्थानों द्वारा लगाए गए पौधों की भात–प्रतिशत सुरक्षा करेंगे।

अंत में संस्थान के श्री बी० डी० पंड़ित, विद्यालय के श्री चतुरेश गुप्ता एवं ज्ञानेश्वरी कुमारी सिंह के प्रयास से तैयार संस्कृतिक कार्यक्रम का बच्चों ने प्रदर्शन किया जिसकी तालियां बजाकर सबों ने सराहना की। कार्यक्रम के आखिर में हिंड़ालकों की सुश्री अनन्या डे ने धन्यवाद दिया एवं विद्यालय के छात्रों, शिक्षकों, संस्थान के अधिकारियां, हिंड़ाल्कों परिवार के सदस्यों द्वारा लगी 132 विभिन्न फलदार, एवं इमारती पौधों का रोपण किया गया।

कार्यक्रम को संस्थान के श्री एस० एन० वैद्य, श्री निसार आलम, श्री बी० डी० पंड़ित, श्री सूरज कुमार, श्री बिनोद राम ने सफल बनाने में सहयोग किया।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

वन उत्पादकता संस्थान, रांची
INSTITUTE OF FOREST PRODUCTIVITY

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)